B.A. II Part Hindi Hons, S/O अखिलेश कुमार 18/1/22

Ques - निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें ?

या,

छायावाद के निकष पर निराला के काव्य का मूल्यांकन कीजिए ?

Ans - हिन्दी साहित्य की सभी विधाओं के समर्थ पंडित सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला हिन्दी के अप्रतिम महाकवि थे। वे कविता के रचयिता मात्र नहीं वरन् एक विराट महाकाव्य के नायक बनकर जीए और वे और उन्होंने अपनी जीवन लीला समाप्त की। निराला के [illegible]

18/1/22 B.A. II Sem. डॉ० [illegible]
Hindi Hons हिंदी [illegible] महाविद्यालय,
Sem. 2

क्रान्तिकारी वज्रवत कठोर किन्तु मृदुल कुसुमादपि साहित्य किसी भाषा के इतिहास में कभी कभी आया करता है। ऐसा लगता है कि किसी व्यक्तित्व की विशिष्टता को मापने के जितने भी पैमाने हैं वे सब निराला के सामने स्तब्ध रह गये हैं।

प्रसाद, पंत और निराला छायावाद के प्रवर्तक माने जाते हैं। पंत प्रकृति सुषमा और वेदना के नाद के कवि रहे। प्रसाद भारत के सांस्कृतिक अतीत की ओर मुड़े। निराला युग से अधिक प्रबुद्ध अधिक जागरूक तथा नवीनता के प्रति आस्था वाले कवि हुए। निराला जी हिन्दी साहित्य के एक ऐसे युगान्त कवि हैं जिनके रचनाओं में तत्कालीन मानव के पीड़ा, पराधीनता और परवशता के तीव्र आक्रोश की ध्वनि सुनायी पड़ती है, अन्याय के प्रति विद्रोह घोषणा सुनायी पड़ती है और विषमताओं की विरोध तथा विशिष्ट परिस्थितियों से संघर्ष करने की गर्जना सुनायी पड़ती है। ऐसा क्रान्तिकारी एक ओर अपनी ओजस्वी कविता के ज्वालामुखी का विस्फोट करता है तो दूसरी ओर नारी की सौन्दर्य के अलौकिक झाँकी प्रस्तुत करता हुआ प्रेम की मर्मस्पर्शी गीत भी गाता है। अतएव निराला के काव्य की विशेषताओं के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि उनकी अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पर अलग - अलग विचार किया जाय।

जिस प्रकार निराला जी का जीवन नाना प्रकार के असंगतियों, असमानताओं एवं द्वन्द्वपूर्ण परिस्थितियों से परिपूर्ण रहा है, उसी तरह उनकी अनुभूति भी विषमता, विभिन्नता, विविधता एवं असंगतियों के साथ द्वन्द्व से परिपूर्ण दिखाई देती है। निराला जी ने ऐसे काव्य की रचना की है जिसमें क्रान्ति एवं विद्रोह का स्वर मुखरित हुआ है, जिसमें समाज की व्यथा एवं वेदना को स्थान मिला है।

निराला छायावाद से अधिक स्वच्छन्दतावाद के प्रतिनिधि कवि थे। उनके भावों में रुढ़ियों के प्रति उपेक्षा और